**CBSE Class 09**

**Hindi B**

**Sample Paper 5 (2019-20)**

---

**Maximum Marks: 80**

**Time Allowed: 3 hours**

---

**General Instructions:**

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
- दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
- तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
- पॉच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

---

## Section A

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

   मृत्यु अर्थात् यमराज के घर का मार्ग सचमुच बड़ा भयावना था। नचिकेता ने देखा कि अपने-अपने कर्मों के कारण लोग मृत्यु से किस तरह घबराते हैं। हृदय में छाई हुई पाप की रेखाओं से लोगों का मन इतना भयभीत है कि सारे मार्ग में हाहाकार मचा हुआ है। कोई अपने पुत्र के लिए रो रहा है तो किसी को पत्नी के वियोग का दुःख है। परन्तु नचिकेता को तो सचमुच अपूर्व आनन्द मिल रहा था। प्रसन्नता और उत्साह के साथ उसने मार्ग की सारी कठिनाइयों का अन्त कर दिया। पिता की आज्ञा के पालन करने में उसे जो शान्ति मिल रही थी, वह भूलोक के मायाग्रस्त जीवन में कहीं नहीं थी। निर्भीक नचिकेता जिस समय मृत्यु के द्वार पर पहुँचा, उस समय संयोग से यमराज कहीं बाहर गए हुए थे। अतः द्वारपालों ने उसे भीतर घुसने की अनुमति नहीं दी। विवश होकर उसे बाहर एक वृक्ष के नीचे सुन्दर चबूतरे पर बैठकर यम की प्रतीक्षा करनी पड़ी।

   i. नचिकेता ने लोगों को अपने कर्मों के कारण किस दशा में देखा? (2)
   ii. यमराज के निवास की ओर जाते हुए नचिकेता आनंद का अनुभव क्यों कर रहे थे? (2)
   iii. लोगों का मन भयभीत क्यों है? (2)
   iv. वृक्ष के नीचे नचिकेता को किसकी प्रतीक्षा करनी पड़ी और क्यों? (2)
   v. गद्यांश में यमराज के घर का मार्ग कैसा बताया गया है? (1)

vi. भूलोक का समानार्थी शब्द बताइए। (1)

## Section B

2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-

   i. संतुलन
   ii. कविता

3. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार या अनुनासिक का प्रयोग कीजिए-

   i. कगाल
   ii. रण्क
   iii. यहा
   iv. गन्वार

4. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिये-
   गिरफ्तार, रोज

5. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग व मूलशब्द को अलग-अलग कीजिए-

   i. उपदेश
   ii. अनुवाद
   iii. दुर्व्यवहार

6. I. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए-
      i. स्व + इच्छा
      ii. पूर्व + उक्त
   II. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए-
      i. तथैव
      ii. सम्भाषण

7. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर सही विराम चिह्न लगाइए-

   i. भरत दशरथ के पुत्र तपस्वी थे
   ii. इस बालक पर यह कहावत लागू होती है होनहार बिरवान के होत चीकने पात
   iii. सुबह सुबह कौवा काँव काँव करने लगा।

## Section C

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

a. दुःख का अधिकार पाठ के आधार पर बताइए लेखक ने बुढ़िया के दुःख का अंदाजा कैसे लगाया?

b. उफ, तुम कब जाओगे, अतिथि? इस प्रश्न के द्वारा लेखक ने पाठकों को क्या सोचने पर विवश किया है?

c. गाँधी जी से 'यंग इण्डिया' के सम्पादक बनने की प्रार्थना क्यों की गयी थी?

d. पहाड़ लुप्त कर देने वाले कीचड़ की क्या विशेषता है?

9. यहाँ बुद्धि का परदा डालकर पहले ईश्वर और आत्मा का स्थान अपने लिए लेना फिर धर्म, ईमान, ईश्वर और आत्मा के नाम पर अपनी स्वार्थ-सिद्धि के लिए लोगों को लड़ाना, भिड़ाना। धर्म की आड़ पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

**OR**

एवरेस्ट जैसे महान अभियान में खतरों को और कभी-कभी तो मृत्यु को भी आदमी को सहज भाव से स्वीकार करनी चाहिए। आशय स्पष्ट कीजिए।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

a. रहीम ने प्रेम के सम्बन्ध में किसका उदाहरण दिया है? प्रेम और धागे में क्या समानता है?

b. आदमी नामा काव्य में सुनके दौड़ता है सो है वो भी आदमी के माध्यम से नज्मकार ने क्या कहना चाहा है?

c. अपनी बच्ची की बीमारी के कारण सुखिया के पिता की क्या दशा हुई? एक फूल की चाह कविता के आधार पर लिखिए।

d. नए इलाके में कविता में कवि को किस समस्या से दो-चार होना पड़ रहा है और क्यों?

11. अग्निपथ कविता में अश्रु-स्वेद-रक्त से लथपथ मनुष्य के जीवन के जीवन को एक महान दृश्य बताकर हमें क्या सन्देश दिया गया है?

**OR**

कवि ने अपनी तुलना ईश्वर से किस रूप में की है? रैदास के पद के आधार पर लिखिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

a. घायलों की सहायता के लिए धैर्य की आवश्यकता होती है-गिल्लू के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए कि किसी घायल के प्रति आपके व्यवहार में क्या विशेषता होगी।

b. हामिद खाँ ने लेखक की किस बात का विश्वास नहीं किया और क्यों? स्पष्ट कीजिए। लेखक के द्वारा दिए गए उत्तर से हमें क्या सीख मिलती है? बताइए।

c. दिए जल उठे पाठ के द्वारा लेखक क्या प्रेरणा देना चाहता है?

## Section D

13. **यात्रा जिसे मैं भूल नहीं पाता** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

    - कहाँ की यात्रा?
    - विशेष घटना का वर्णन
    - अविस्मरणीय कैसे

**OR**

**आतंकवाद के दुष्परिणाम** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

- आतंक के प्रसार के कारण
- भारत और विश्व में आतंकवाद
- निदान के उपाय

14. आपके पिताजी का तबादला दूसरे शहर में हो गया है। आप अपने मित्र को नए शहर की सुन्दरता का वर्णन करते हुए पत्र लिखिए।

**OR**

अपने पिताजी की आज्ञा बिना अपने कुछ मित्रों के साथ विद्यालय से अनुपस्थित होकर आईपीएल मैच देखा जिसकी सूचना आपके पिताजी को किसी अन्य व्यक्ति से मिली है। अब आप अपने पिताजी से माँफी माँगते हुए एक क्षमा याचना का पत्र लिखिए।

15. दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग 20-30 शब्दों में प्रत्युक्त कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही सम्बद्ध होना चाहिए।

**OR**

दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग 20-30 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही सम्बंधित होना चाहिए।

16. विकास के मॉडल-हाईवे, मॉल, मल्टीप्लेक्स विषय पर शिक्षक और छात्र के बीच परस्पर संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

**OR**

बढ़ते जल प्रदूषण से परेशान दो नदियों के बीच होने वाले संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

17. आप मैनेजर हैं। कार्यालय सामग्री नीलाम करने के लिए 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

**CBSE Class 09**

**Hindi B**

**Sample Paper 5 (2019-20)**

## Solution

## Section A

1. i. नचिकेता ने लोगों को अपने कर्मों के कारण मृत्यु से घबराते हुए देखा।
   ii. नचिकेता अपने पिता की आज्ञा का पालन कर रहे थे। इसलिए यमराज के निवास की ओर जाते हुए वे आनंद का अनुभव कर रहे थे।
   iii. हृदय में छाई हुई पाप की रेखाओं के कारण लोगों का मन भयभीत है।
   iv. वृक्ष के नीचे नचिकेता को यमराज की प्रतीक्षा करनी पड़ी क्योंकि वे बाहर गए हुए थे।
   v. गद्यांश में यमराज के घर का मार्ग बहुत ही भयावना बताया गया है।
   vi. पृथ्वी लोक

## Section B

2. i. स् + अं + त् + उ + ल् + अ + न् + अ
   ii. क् + अ + व् + इ + त् + आ
3. i. कंगाल
   ii. रंक
   iii. यहाँ
   iv. गँवार

4. गिरफ़्तार, रोज़

5. i. उप + देश
   ii. अनु + वाद
   iii. दुर् + व्यवहार
6. I. i. स्वेच्छा
      ii. पूर्वोक्त
   II. i. तथा + एव
      ii. सम् + भाषण
7. i. भरत (दशरथ के पुत्र) तपस्वी थे।
   ii. इस बालक पर यह कहावत लागू होती है, 'होनहार बिरवान के होत चीकने पात।'
   iii. सुबह-सुबह कौवा काँव-काँव करने लगा।

## Section C

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

   a. लेखक ने बुढ़िया के दुःख का अंदाजा अपने पड़ोस में पुत्र की मृत्यु से दुःखी एक संभ्रांत महिला की बात सोचकर लगाया।

   b. इस प्रश्न द्वारा लेखक ने पाठकों को यह सोचने पर मजबूर किया है कि अच्छा अतिथि कौन होता है? वह, जो पहले से अपने आने की सूचना देकर आए और एक-दो दिन मेहमानी कराके विदा हो जाए न कि वह, जिसके आगमन के बाद मेज़बान वह सब सोचने को विवश हो जाए, जो इस पाठ का मेज़बान निरन्तर सोचता रहा। उफ! शब्द द्वारा मेज़बान की उकताहट को दिखाया गया है।

   c. गाँधी जी को 'यंग इण्डिया' के सम्पादक बनने की प्रार्थना इसलिए की थी, क्योंकि हानीमैन को देश-निकाला देने के बाद साप्ताहिक के लिए लिखने वालों की कमी रहने लगी थी। गाँधी जी भी अंग्रेजों के विरुद्ध लिखना चाहते थे। इसलिए उन्होंने इस प्रार्थना को स्वीकार कर लिया।

   d. पहाड़ लुप्त कर देने वाला कीचड़ खम्भात की खाड़ी में पाया जाता है। इस कीचड़ की यह विशेषता है कि मही नदी के मुख से आगे जहाँ तक नज़र जाएगी वहाँ तक सर्वत्र कीचड़-ही-कीचड़ दिखाई देता है।

9. भारत में धर्म के कुछ ठेकेदार साधारण लोगों की बुद्धि को भ्रमित कर देते हैं वे कुछ सोच-समझ नहीं पाते। देश में धर्म की धूम है। धर्म के नाम पर उत्पात किए जाते हैं, जिद की जाती है, भोले-भाले लोगों को बेवकूफ़ बनाया जाता है। अपना आसन ऊँचा करने के लिए धूर्त लोग धर्म की आड़ लेते हैं। मूर्खा की बुद्धि पर परदा डालकर धर्म और ईमान के नाम पर स्वार्थसिद्ध करते हैं। जान देने और जान लेने को तैयार रहते हैं। इस प्रकार वे साधारण लोगों का दुरुपयोग कर शोषण करते हैं।

**OR**

शेरपा कुलियों में से एक की मृत्यु व चार के घायल होने की खबर सुन यह कथन कर्नल खुल्लर ने कहा। एवरेस्ट दुनियाँ की सबसे ऊँची चोटी है और इस पर चढ़ना कोई आसान काम नहीं है। इसलिए कर्नल खुल्लर ने अभिय सदस्यों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि महान् उद्देश्य की पूर्ति के लिए खतरों का सामना करना पड़ता है और मृत्यु को भी गले लगाना पड़ सकता है। इस तरह की परिस्थितियों का सहज भाव से सामना करना चाहिए। मृत्यु इस उद्देश्य के सामने छोटी है।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

    a. प्रेम के संबंध में रहीम ने धागे का उदाहरण दिया है। प्रेम धागे के समान कोमल और अखण्ड होता है। जिस प्रकार धागा यदि एक बार टूट गया तो फिर जुड़ नहीं पाता और यदि जोड़ भी दिया जाये तो उसमें गाँठ पड़ जाती है वैसा ही प्रेम संबंध है। इसलिए प्रेम रूपी धागा कभी तोड़ना नहीं चाहिए।

    b. सुनके दौड़ता है सो है वो भी आदमी के माध्यम से नज्मकार ने आदमी के मानवीय गुणों; जैसे- सहृदयता, संवेदनशीलता और उपकारी प्रवृत्ति का उल्लेख करना है। इन मानवीय गुणों के कारण व्यक्ति किसी की याचना भरी

पुकार को अनसुना नहीं कर पाता है और मदद के लिए भागा जाता है।

c. अपनी बच्ची की बीमारी के कारण सुखिया के पिता को चारों ओर अन्धकार ही अन्धकार दिखाई देने लगा। अपनी पुत्री की अन्तिम इच्छा पूरी न कर पाने के कारण उसका मन घोर निराशा से भर जाता है। क्योंकि वह सामाजिक स्थितियों को जानता था।

d. 'नए इलाके' में कवि को अपना ही घर ढूँढ़ने की समस्या से दो-चार होना पड़ रहा है। इसका कारण यह है कि कवि जहाँ रहता है, वहाँ सब कुछ इतनी तेज़ी से बदल रहा है कि पुराने चिह्न लुप्त होते जा रहे हैं। ऐसा लगता है कि स्मृतियाँ साथ नहीं दे रही हैं। इससे कवि अपना मकान ही नहीं ढूँढ़ पा रहा है।

11. कवि कहता है कि जीवन पथ अनुकूल और प्रतिकूल दोनों प्रकार की परिस्थितियों से भरा हुआ है। यह संसार अग्नि से पूर्ण मार्ग के समान कठिन है और इस कठिन मार्ग का सबसे सुन्दर दृश्य कवि के अनुसार कठिनाइयों का सामना करते हुए आगे बढ़ना है। संघर्ष-पथ पर चलने पर उसकी (मनुष्य की) आँखों से आँसू बहते हैं, शरीर से पसीना निकलता है और खून बहता है, फिर भी वह इन सब की परवाह किए बिना निरन्तर परिश्रम करते हुए संघर्ष-पथ पर बढ़ता जाता है।

**OR**

कवि अपने आराध्य को याद करते हुए उनसे अपनी तुलना करता है, उनका प्रभु हर तरह से श्रेष्ठ है तथा उनके मन में निवास करता है - हे प्रभु आप चंदन तथा हम पानी हैं। आपकी सुगंध मेरे अंग-अंग में बसी है। आप बादल हैं, मैं मोर हूँ। जैसे घटा आने पर मोर नाचता है। मेरा मन भी आपके स्मरण से नाच उठता है। जैसे चकोर प्रेम से चाँद को देखता है वैसे ही मैं आपको देखता हूँ। प्रभु आप दीपक हैं तो मैं उसमें जलने वाली बाती हूँ। जिसकी ज्योति दिन-रात जलती रहती है। प्रभु आप मोती हो तो मैं माला का धागा हूँ। जैसे सोने और सुहागे का मिलन हो गया हो, प्रभु आप स्वामी हैं मैं आपका दास हूँ। मैं सदा आपकी भक्ति करता हूँ।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

a.
- गिल्लू के घायल होने पर लेखिका द्वारा सेविका
- धैर्य से सेवा करने पर सुखद परिणाम

**व्याख्यात्मक हल:**
लेखिका को गिल्लू निश्चेष्ट अवस्था में गमले की संधि में मिला था। उसके शरीर पर कौओं की चोंच के जख्म थे। लेखिका ने उसे उठाया और धैर्यपूर्वक उसके घावों को साफ किया और मरहम लगाया। उन्होंने रूई की बत्ती बनाकर उसे दूध भी पिलाने की कोशिश की, उन्होंने बड़े धैर्य के साथ के साथ रात-दिन उसकी सेवा की। उनकी इसी धैर्य पूर्ण सेवा के कारण गिल्लू एकदम स्वस्थ हो गया।

b. लेखक जब तक्षशिला के खण्डहर देखने गया तो वहाँ की कड़कड़ाती धूप में भूख-प्यास से बेहाल हो गया। तभी चपातियाँ की सौंधी महक सूँघकर वह एक दुकान की ओर मुड़ गया जहाँ पठान अंगीठी के पास बैठा चपातियाँ सेंक

रहा था। लेखक ने उसे बताया कि वह मालाबार (केरल)का रहने वाला है तो उस व्यक्ति ने शंका व्यक्त की क्या वह हिन्दू होकर एक मुसलमानी होटल में खाना खायेगा। लेखक द्वारा यह बताने पर कि हमारे यहाँ हिंदू-मुसलमान मिल-जुलकर रहते हैं और बढ़िया चाय या बढ़िया पुलाव के लिए मुसलमानी होटल में खाना खाते हैं। लेकिन लेखक की इस बात पर पठान हामिद खाँ को विश्वास न हुआ और बोला-काश मैं आपके मुल्क में आकर सब बातें अपनी आँखों से देख पाता। उसने लेखक को बड़े प्रेम से खाना खिलाया और जिद करने पर भी केवल एक रुपया ही लिया और वह भी यह कहते हुए वापस कर दिया कि इससे अपने मुल्क में जाकर किसी मुसलमानी होटल में पुलाव खा लेना। इस पाठ से हमें यह सीख मिलती है कि हिंदू-मुसलमान सब एक हैं हमें आपस में प्रेम और भाईचारे की भावना से एक साथ मिल-जुलकर रहना चाहिए।

c. 'दिए जल उठे' पाठ द्वारा लेखक ने समर्पण एवं निस्वार्थ भावना की प्रेरणा दी है। महि सागर नदी को आधी रात में पार करने का निर्णय लिया गया था, ताकि समुद्र का पानी चढ़ने पर कीचड़ और दलदल कम हो जाए। अँधेरी रात थी। कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। थोड़ी ही देर में कई हजार लोग दिए लेकर नदी के तट पर पहुँच गए और आपसी मेलजोल के कारण सत्याग्रहियों को नदी पार कराने में कामयाब हुए।

## Section D

13. **कहाँ की यात्रा? -** मैंने अलग-अलग साधनों से अपने जीवन में कई यात्रा की हैं। मैं रमेश चौहान एक गाँव का रहने वाला हूँ जो आगरा जिले में आता है। मैं अपनी परीक्षा देने के लिए नागपुर जा रहा हूँ। मैं अब आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के इंतजार में खड़ा था तभी थोड़ी देर में ट्रेन आ गयी और मैं अपना बैग लेकर उसमें चढ़ गया।
**विशेष घटना का वर्णन-** मैं अभी तक अकेला ही था लेकिन तभी अचानक एक लड़का मेरी तरफ दौड़ा, जिसका नाम अमन था और मुझसे कुछ कहने की कोशिश करने लगा लेकिन वह इतना अधिक घबराया हुआ था कि कुछ भी नहीं बोल पा रहा था। मैंने उसे तसल्ली दी और उससे उसके विषय में पूछा तो वह बोला कि वह भी महाराष्ट्र जा रहा है लेकिन उसकी सीट कन्फर्म नहीं है। मैंने उसे धैर्य बंधाते हुए अपनी सीट पर बैठा लिया।
**अविस्मरणीय कैसे-** अब वह शांत व प्रसन्न नजर आ रहा था। फिर धीरे-धीरे हम दोनों में बातचीत शुरू हो गयी और कुछ देर में ऐसा महसूस हुआ कि हम दोनों एक-दूसरे को काफी अच्छी तरह से जानते हैं। रेल तेजी से गन्तव्य की ओर चली जा रही थी। हम दोनों ने एक साथ भोजन किया। हवा तेज थी, जब हम नागपुर से कुछ दूर ही थे तभी हमें संतरों के दूर-दूर फैले हुए बाग दिखने लगे। संतरों की खुशबू से वातावरण महक रहा था। तभी नागपुर रेलवे स्टेशन पर आकर रेल रुकी और मैं अमन जो अब तक मेरा दोस्त बन चुका था, को अलविदा कह कर रेल से उतर गया। एक अजनबी की मदद व अमन के व्यवहार से मेरा मन प्रसन्न था। अतः हमें जब कभी दूसरों की सहायता करने का अवसर मिले तो हमें अपने कर्तव्य का निर्वाह अवश्य करना चाहिए।

**OR**

जब कुछ लोग अपनी माँगों को मनवाने के लिए आतंकी गतिविधियों का सहारा लेते हैं तब उसे **आतंकवाद** कहा जाता है। आतंकवाद भय उत्पन्न करने की प्रक्रिया है।

**आतंक के प्रसार के कारण-** यह एक प्रकार का उन्माद तो है ही साथ ही दूसरों की बर्बादी का प्रयास भी है। पाकिस्तान आतंकवाद का जनक है, पोषक है। वहीं से यह आतंकवाद विकसित होता है। वह लोग हिंसक होते हैं। आजादी के बाद देश में अनेक आतंकवादी संगठनों द्वारा आतंकवादी हिंसा का प्रचार-प्रसार किया गया है।

**भारत और विश्व में आतंकवाद-** आज हमारा देश ही नहीं वरन् सारा विश्व आतंकवाद की छाया में साँस ले रहा है। असम के बोडो आतंकवादी अनेक बार हिंसक घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। कश्मीर घाटी में आतंकी गतिविधियाँ जोरों पर है। 13 दिसम्बर 2001 में भारत के संसद भवन पर आतंकियों द्वारा हमला किया गया। 11 सितम्बर 2001 में अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर भी हमला हुआ। इस तरह पूरा संसार आतंकवाद की चपेट में आया हुआ है।

**निदान के उपाय-** इस समस्या का वास्तविक हल ढूँढने के लिए सर्वप्रथम सरकार को अपनी गुप्तचर एजेंसियों को सशक्त और विशेष सक्रिय बनाना चाहिए। सीमा पार से प्रशिक्षित आतंकवादियों व हथियारों के आने पर कड़ी चौकसी रखनी होगी। लोगों को गुमराह होने से रोकना होगा व विश्वास की भावना जगानी होगी। इसके साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी मिलकर प्रयास करने होंगे। संविधान के तहत पारस्परिक विचार-विमर्श से सिक्खों, कश्मीरियों व असमियों की माँगों का न्यायोचित समाधान भी ढूँढना होगा।

14. P-276, पालम,
नई दिल्ली-77,
दिनांक .....।
प्रिय मित्र गोविन्द
सप्रेम नमस्ते,
कल तुम्हारा पत्र मिला। तुम्हें यह जानकर हर्ष होगा कि मेरा मन इस नए शहर में लग गया है। दिल्ली बहुत बड़ा और सुन्दर है। यहाँ लाल किला, जामा मस्जिद, लोटस टेम्पल, इंडिया गेट आदि कई दर्शनीय स्थल हैं। यहाँ की बहुमंजिला गगनचुम्बी इमारतें लोगों का ध्यान आकर्षित कर लेती हैं। यहाँ सड़कें काफ़ी चौड़ी हैं। रात के समय बाज़ारों की सजावट व रोशनी मन मोह लेती है। बाज़ार बहुत बड़े-बड़े हैं। मुग़ल गार्डन में फूलों की इतनी किस्में हैं कि वे लोगों को हैरत में डाल देती है। दिल्ली में मैट्रो की सवारी करके बड़ा मजा आया। यह शहर बड़ा होने के साथ साफ-सुथरा भी है।
इस नए शहर में तुम्हारी कमी अखरती है। यदि तुम भी साथ होते तो आनन्द दुगना हो जाता। ग्रीष्म अवकाश में तुम दिल्ली अवश्य आना। अंकल व आंटी को नमस्ते।

तुम्हारा प्रिय मित्र
मोहित

**OR**

बसंत छात्रावास
राजकीय उच्चतम माध्यमिक विद्यालय
प्रीत विहार
नई दिल्ली।

परम पूज्य पिताजी,

सादर प्रणाम।

आशा है घर में सभी सकुशल होंगे।

आपके पत्र से पता चला कि आपकी अनुमति के बिना अपने कुछ मित्रों के साथ विद्यालय से अनुपस्थित होकर मेरे आईपीएल मैच देखने से आप नाराज़ हैं।

मैं अपनी गलती स्वीकार करता हूँ। लड़कों के कहने में आकर मैं उनके साथ मैच देखने चला गया था। मैंने पढ़ाई को भी गम्भीरता से नहीं लिया। मैं समझ गया कि जब यह सूचना आपको अन्य व्यक्ति से मिली होगी तो आपको कैसा लगा होगा? पिताजी, अब आप कभी मेरी शिकायत नहीं सुनेंगे। मैं नियमित विद्यालय में उपस्थित रहूँगा तथा छात्रावास में रहकर अध्ययन में रुचि लूँगा। ऐसे गलत लड़कों की संगति भी छोड़ दूँगा। मैं पुन: आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैं अब सही मार्ग पर चलूँगा। पिछली गलतियों के लिए मैं आपसे क्षमा माँगता हूँ। घर में माताजी को प्रणाम। छोटों तथा बड़ों को यथोचित अभिवादन।

आपका आज्ञाकारी पुत्र

गोविन्द सिंह

15. i. यह गाँव के बाजार का दृश्य है।
    ii. एक अधेड़ स्त्री खरबूजे बेच रही है।
    iii. वह औरत दुखी प्रतीत होती है। वह घुटने पर सिर रखे रो रही है।
    iv. लोग उस औरत को देख रहे हैं लेकिन कोई खरबूजे खरीद नहीं रहा है।
    v. कुछ खरबूजे डलिया में रखे हैं व कुछ नीचे पड़े हैं।
    vi. लोग उस औरत के बारे में तरह-तरह की बातें बना रहे हैं।

**OR**

    i. यह गाँव का दृश्य है।
    ii. सूरज डूब रहा है। शाम हो जाने पर किसान बैलों को लेकर घर लौट रहा है।
    iii. एक आदमी डंडा कंधे पर रखकर गाय चरा रहा है।
    iv. चारों ओर खेत व हरियाली नजर आ रही है।
    v. गाँव के लोग भी 'छोटा परिवार सुखी परिवार' का महत्व समझने लगे हैं।
    vi. इस परिवार के लोगों के चेहरे की मुस्कान इनकी खुशहाली की प्रतीक है।

16. शिक्षक- गोविन्द! आज का अख़बार पढ़ा तुमने।

    गोविन्द- जी श्रीमान! किन्तु उसमें ऐसी क्या खबर थी?

    शिक्षक- यानी तुमने ठीक से नहीं पढ़ा। उसमें आज हमारे शहर के विकास मॉडल को मंजूरी मिल गई है।

    गोविन्द- जी श्रीमान ! मैंने पढ़ा! ये तो बहुत प्रसन्नता का विषय है अब हमारा शहर भी विकास के पथ पर अग्रसर होता

हुआ दिखाई देगा। यहाँ भी चारों ओर हाइवे, मॉल और मल्टीप्लेक्स होंगे।

शिक्षक- ठीक कहा गोविन्द, बताओगे इससे हमारे शहर को क्या-क्या लाभ होंगे?

गोविन्द- शहर की सड़कों पर वाहनों का भार कम होगा, हमारी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, साथ ही शहरवासियों को मनोरंजन के साधन व अपनी आवश्यकताओं की सभी वस्तुएँ एक ही छत के नीचे आसानी से उपलब्ध होंगी।

शिक्षक- बिल्कुल ठीक गोविन्द, शाबाश।

**OR**

पहली नदी - क्या बात है बहन? आज बहुत दुःखी दिखाई दे रही हो।

दूसरी नदी - क्या बताऊँ? आजकल मेरा पानी पहले से भी अधिक प्रदूषित होता जा रहा है।

पहली नदी - सच कहा तुमने। लोग अपना कचरा नदियों में बहा देते हैं। अपने जानवरों को भी हमारे पानी में नहला कर पानी प्रदूषित कर रहे हैं।

दूसरी नदी - इतना ही नहीं कारखानों से निकलने वाले रासायनिक पदार्थ व नालों, सीवर आदि का पानी भी सीधे हमारे पानी में मिलाया जा रहा है।

पहली नदी - हम ही नहीं हमारे जल में रहने वाले जीव जन्तु, मछलियाँ आदि भी इस प्रदूषण से परेशान हैं।

दूसरी नदी - मनुष्य इतना स्वार्थी हो गया है कि अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए प्रकृति से खिलवाड़ कर रहा है।

पहली नदी - जल ही जीवन है जब तक मनुष्य इस बात को नहीं समझेगा, इसे जल प्रदूषण से मुक्ति सम्भव नहीं है।

17.

**नीलामी सूचना**

30 - कुर्सियाँ

15 - मेजें

9 - कूलर

4 - ए.सी.

कार्यालय की तरफ से 8 मार्च 2019 को बोली लगवाई जाएगी।

धरोहर राशि 2500 बोली से पहले जमा करवानी होगी।

नीलामी के लिए सम्पर्क करें-0098596261

**मिलें-** मैनेजर 75/05, मेरठ रोड बदरपुर

नई दिल्ली।